हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 5 जुलाई 2026

06 खनिज विभाग की अनदेखी: प्रतिबंध के बाद भी नर्मदा में...

09 विद्यालय में चार घंटे तक चला निरीक्षण संयुक्त...

खबर संक्षेप

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

सीहोर। पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 की छात्रवृत्ति हेतु MPTAAS पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं किया है वे अंतिम तिथि से पहले आवेदन कर दें। इसके साथ ही जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी संस्था में अध्ययनरत सभी पात्र विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति का आवेदन कराएं।

आंगनबाड़ी कार्यकार्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई एवं मानदेय आधारित मानसेवी रिक्त पदों के लिए निर्धारित योग्यताधारी पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र महिलाएं MP Online द्वारा तैयार चयन पोर्टल (https://chayan.mponline.gov.in) के माध्यम से 01 जुलाई से 13 जुलाई के बीच आवेदन कर सकती हैं। आवेदन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। विस्तृत जानकारी चयन पोर्टल (https://chayan.mponline.gov.in) एवं संबंधित परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

मंत्रीजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा से किया जाएगा याद

सीहोर। रविवार को हैदराबाद व भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन के अग्रणी स्वतंत्रता संग्राम सैनानी,पूर्व विधायक, शिक्षाविद,जिले की पत्रकारिता के पितृ पुरूष स्व. हरिकृष्णसिंह 'मंत्री'की 43 वीं पुण्यतिथि पर उन्हें जिले भर में श्रद्धा से याद किया जायेगा। 5 जुलाई प्रातः11.30 बजे स्थानीय पावर हाउस चौराहा शुगरमिल रोड स्थित पूर्णिमा औषधालय पर 'मंत्रीजी' के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी तथा स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान तथा समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यों को याद किया जायेगा। इसके पश्चात दोपहर 12.30 बजे बस स्टेण्ड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जन पूर्वजिला कांग्रेस अध्यक्ष 'मंत्रीजी' के प्रति श्रद्धांजलि में मंत्रीजी को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। गौरतलब है कि मंत्रीजी ने अपने विवाह बेला में ही हैदराबाद निजाम के विरूद्ध जेल भरो आंदोलन तथा भोपाल राज्य विलीनीकरण आंदोलन में भागीदारी की थी।

बारिश का पहला कहरः खदान में डूबे 2 मासूम दोस्त, घरों में पसरा मातम

गर्मी से राहत लेने गए थे बागेर की खदान, गहरे पानी ने निगल ली जान

सीहोर। मानसून की पहली बारिश जहां किसानों के चेहरे पर खुशी लाई, वहीं आष्टा क्षेत्र के 2 परिवारों के लिए यह बारिश ताउम्र का मातम बन गई। ग्राम बागेर में स्थित एक बंद पड़ी मुरम की खदान में भरे पानी में नहाने गए दो 12 साल के मासूम दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया।

खेलने निकले थे, लौटे अर्थी बनकर

जानकारी के अनुसार ग्राम बापचा दोनिया के रहने वाले दो बच्चे समर पिता संतोष और समर पिता जितेंद्र दोनों की उम्र लगभग 10 वर्ष दोपहर में घर से हंसते-खेलते निकले थे। पास के ग्राम बागेर में मुरम की एक पुरानी खदान में हाल की बारिश से पानी लबालब

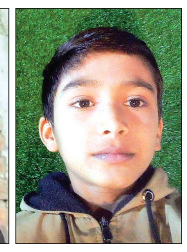

भरा था। गर्मी से राहत और तैरने के शौक में दोनों बच्चे खदान के गड्ढे में उतर गए। मासूमों को अंदाजा नहीं था कि यह खेल उनकी जिंदगी का आखिरी खेल बन जाएगा।

गहराई ने निगला, हाथ-पैर मारते रह गए

तैरते-तैरते दोनों बच्चे खदान के उस हिस्से में पहुंच गए जहां खुदाई के कारण गहरा गड्ढा था। नीचे कीचड़ और दलदल होने से उन्हें थाह नहीं मिली। बचने के लिए दोनों ने खूब हाथ-पैर मारे, लेकिन गहराई इतनी थी कि वे संभल नहीं पाए और एक-दूसरे के सामने ही पानी में समा गए।

ग्रामीणों ने निकाला, तब तक टूट चुकी थीं सांसें

हादसे की सूचना पर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे। चीख-पुकार के बीच ग्रामीणों ने खदान के पानी में छलांग लगाकर काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को बाहर निकाला।

लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोनों की सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए आष्टा सिविल अस्पताल भेजा। अस्पताल में शव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बागेर की यह मुरम खदान कई सालों से बंद पड़ी है। बारिश का पानी भरने के बाद भी इसे सुरक्षित नहीं किया गया। ना कोई तार फेंसिंग, ना चेतावनी बोर्ड। इसी लापरवाही की वजह से मासूमों की जान गई।

चौक पर दादा ताश खेलते रहे, इधर नाले में डूब गया मासूम पोता

भैरूंदा। लगातार हो रही बारिश के चलते जहां एक ओर नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं दूसरी ओर लापरवाही और अनदेखी छोटे बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। शुक्रवार को थाना भैरूंदा क्षेत्र के ग्राम रिठबाड़ में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां पांच साल के मासूम बच्चे की नाले में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम रिठबाड़ निवासी पांच वर्षीय डुग्गू (पिता राकेश) शुक्रवार शाम करीब 4 बजे अपने दादा और बहन के साथ गांव के चौक पर गया था। चौक पर पहुंचने के बाद दादा अन्य लोगों के साथ ताश खेलने में व्यस्त हो गए, जबकि डुग्गू और उसकी बहन पास में ही खेलते रहे। खेलते-खेलते दोनों बच्चे चौक के पास बह रहे नाले की ओर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि उस समय नाले में बारिश का पानी तेज बहाव के साथ गुजर रहा था। इसी दौरान डुग्गू खेलते-खेलते नाले के करीब पहुंच गया और अचानक फिसलकर पानी में गिर गया। बहन उस समय आगे निकल गई थी और उसे तुरंत इस बात का अंदाजा नहीं हुआ। कुछ देर बाद जब बहन ने देखा कि डुग्गू साथ में नहीं है, तो वह घबरा गई और तुरंत चौक पर जाकर दादा को जानकारी दी। बच्चे के गायब होने की खबर मिलते ही दादा और आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और उसकी तलाश शुरू कर दी। नाले के किनारे डुग्गू की चप्पल पड़ी मिली, जिससे ग्रामीणों को आशंका हुई कि बच्चा पानी में बह गया है। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना भैरूंदा पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्चे की तलाश शुरू की। देर रात तक नाले में सर्चिंग अभियान चलाया गया, लेकिन डुग्गू का कोई पता नहीं चल सका। अंधेरा बढ़ने और तेज बहाव के कारण तलाश में काफी दिक्कतें आईं, जिसके चलते रात में सर्चिंग रोकनी पड़ी। अगले दिन शनिवार सुबह फिर से सर्चिंग शुरू की गई। करीब एक किलोमीटर दूर हाथघाट मार्ग के पास नाले में डुग्गू का शव मिला। शव को देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई और माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई की और मर्ग कायम करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बच्चा फिसलकर नाले में गिरा और तेज बहाव में बह गया।

प्रशासन ने अलर्ट जारी कर नागरिकों से सुरक्षित मार्ग अपनाने की अपील की

बारिश बनी आफतः आष्टा में घर डूबे, खेत जलमग्न नदी और नाले उफान पर, कई गांव का संपर्क टूटा

आष्टा ब्लॉक में मूसलाधार बारिश से पार्वती, पपनास और नेवज नदियां उफान पर हैं। कई गांवों में घरों और खेतों में पानी भर गया। सड़क संपर्क टूटने से जनजीवन प्रभावित हुआ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर जिले के आष्टा ब्लॉक में शुक्रवार रात से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते क्षेत्र की पार्वती, पपनास और नेवज नदियां उफान पर पहुंच गई हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई गांवों में घरों के अंदर पानी घुस गया, खेत जलमग्न हो गए और कई मार्गों पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

गांवों में घुसा पानी, लोगों में दहशत

खाचरोद, मेहतवाड़ा, मैना, कोठरी, भंवरा, बागैर, सिंगारचोरी, हराजखेड़ी, ढकनी और मुगली सहित कई गांवों में भारी बारिश के बाद हालात बिगड़ गए। कई घरों में पानी घुसने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घरों के अंदर रखा सामान पानी में डूब गया, जिससे आर्थिक नुकसान भी हुआ। गांवों की गलियां जलमग्न हो गईं और निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों की चिंता बढ़ गई। लगातार हो रही बारिश ने ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं।

मुगली में जल निकासी व्यवस्था की खुली पोल : आष्टा ब्लॉक मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत मुगली में पहली भारी बारिश ने प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी।

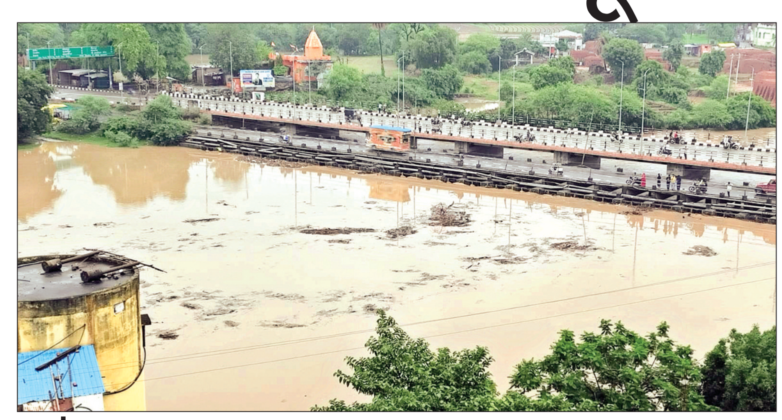

केवल दो घंटे की तेज बारिश में गांव के कई घरों में घुटनों तक पानी भर गया।

ग्रामीण अके सिंह ने बताया कि घरों में रखी खाट, अनाज की कोठियां, कपड़े और रसोई का सामान पानी में डूब गया। तेज बहाव और खराब ड्रेनेज सिस्टम के कारण बारिश का पानी तेजी से घरों में घुस गया। ग्रामीणों को अपना सामान बचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

खेत बने तालाब, सोयाबीन फसल को नुकसान

लगातार बारिश का असर कृषि क्षेत्र पर भी साफ दिखाई दे रहा है। ग्राम पंचायत बड़घाटी रामापुरा सहित कई क्षेत्रों के खेतों में पानी भर गया है। खेत तालाब जैसे नजर आ रहे हैं। किसानों की सोयाबीन फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। किसान अब बारिश थमने और पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं। यदि पानी लंबे समय तक खेतों में भरा रहा तो नुकसान और बढ़ सकता है।

कई मार्गों पर आवागमन बंद

लगातार बारिश के कारण ढाकनी-मुगली मार्ग पर पापनास नदी स्थित पुल पर पानी का तेज बहाव बना हुआ है। सेमनरी रोड जगन्नाथपुरा पुलिया, कन्नौद-मिर्जी और दुपाड़िया मार्ग भी प्रभावित हुए हैं।इन मार्गों के प्रभावित होने से करीब एक दर्जन गांवों का संपर्क टूट गया है। कई स्थानों पर पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने के कारण आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है।

बापचा और भंवरा के वीडियो आए सामने

भारी बारिश के बाद आष्टा के ग्राम बापचा और ग्राम भंवरा से सामने आए वीडियो ने हालात की गंभीरता को उजागर कर दिया है। वीडियो में कई इलाकों में जलभराव साफ दिखाई दे रहा है। नदियों और नालों में तेज बहाव के कारण पुलिया के ऊपर से पानी बहता नजर आया। कई गांवों में सड़कें जलमग्न दिखीं और ग्रामीणों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो गई।

प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में जलभराव वाले पुल, पुलिया या तेज बहाव वाले क्षेत्रों को पार करने का प्रयास न करें। कलेक्टर बालागुरु के ने बताया सुरक्षा के लिए संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल और कोटवार तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। नागरिक केवल सुरक्षित और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें।

आष्टा में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज

वर्षा के आंकड़ों के अनुसार आष्टा क्षेत्र में सर्वाधिक 2.05 इंच बारिश दर्ज की गई है। जावर में 1.89 इंच और इछावर में 1.77 इंच वर्षा रिकॉर्ड हुई। जिले में औसतन 1.50 इंच बारिश दर्ज की गई है। 1 जून से अब तक जिले में कुल औसत वर्षा 10.63 इंच तक पहुंच चुकी है। आष्टा 15.47 इंच बारिश के साथ जिले का सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र बना हुआ है। अन्य क्षेत्रों की बात करें तो भैरूंदा में 14.01 इंच, इछावर में 12.40 इंच, जावर में 11.68 इंच, सीहोर में 9.01 इंच, रेहटी में 8.55 इंच, बुधनी में 8.38 इंच और श्यामपुर में 5.54 इंच बारिश दर्ज हुई है।

आज होगा 300 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, शिक्षा और संस्कार का बनेगा प्रेरणादायी संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि श्रेष्ठ चरित्र, उज्ज्वल व्यक्तित्व और संस्कारित समाज के निर्माण की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए सामाजिक संस्था अग्रसोच सोशल फाउंडेशन द्वारा 5 जुलाई (रविवार) दोपहर 12:00 बजे स्थानीय चंद्रशेखर आजाद महाविद्यालय, भोपाल नाका, सीहोर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 300 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं का भव्य भविष्य ज्योति सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन आईटी भोपाल विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है।

संस्था के संस्थापक आशीष गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन केवल मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ संस्कार, नैतिकता, सामाजिक दायित्व और भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। समारोह में जिलेभर के 300 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, अनुशासन, परिश्रम एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, सेवा भावना एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का भाव विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। समारोह में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, माता-पिता एवं गुरुजनों के सम्मान, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर प्रेरक उद्बोधन भी होंगे। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया जाएगा कि जीवन की वास्तविक सफलता केवल अधिक अंक प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उत्कृष्ट चरित्र, नैतिक मूल्यों और सेवा भाव से युक्त जीवन जीने में निहित है। समारोह में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप जी मिश्रा अपनी गरिमामयी उपस्थिति से विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक स्वदेश राय होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में अखिलेश राय (समाजसेवी), अरुणा राय (समाजसेविका), प्रदीप चौहान, युवा समाजसेवी सुशील अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार ए.आर. शेख मुंशी सहित अनेक शिक्षाविद, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। आशीष गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं का समावेश अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा और संस्कार का समन्वय ही एक जिम्मेदार नागरिक, सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की नींव रखता है। यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने का कार्य करेगा। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

यह घटना भैरुंदा इलाके के छीपानेर गांव की बताई जा रही है

विद्युत मंडल के आधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

ग्राम सेमरा दांगी के किसान राकेश वर्मा और अशोक वर्मा ने विद्युत वितरण केंद्र खजूरिया कलां एवं विद्युत मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों पर डरा-धमकाकर जबरन कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराने का गंभीर आरोप लगाया है। दोनों किसानों ने शपथपत्र एवं नोटरी के माध्यम से कलेक्टर, एसडीएम, पुलिस अधीक्षक और विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री को शिकायत सौंपकर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दोनों किसानों ने बताया कि 18 जून 2026 को ग्राम बड़बेली में हुई विद्युत दुर्घटना के

समय वे मौके पर मौजूद नहीं थे। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि किसान सतीश मेवाड़ा करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। आरोप है कि 30 जून 2026 को विद्युत विभाग के अधिकारियों और लाइनमैन ने उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बुलाकर डरा-धमकाकर कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए। किसानों का कहना है कि उन्हें विद्युत चोरी का मामला दर्ज करने और अन्य झूठे प्रकरणों में फंसाने की धमकी दी गई, जिसके भय से उन्हें हस्ताक्षर करने पड़े। राकेश वर्मा और अशोक वर्मा ने मांग की है कि दबाव में कराए गए हस्ताक्षरों को अमान्य घोषित किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस दौरान एम.एस. मेवाड़ा, राकेश वर्मा, अशोक वर्मा, रायसिंह मेवाड़ा, ब्रजेश दांगी, नेपाल दांगी, सुनील, जीवन वर्मा, हेमराज सिंह, प्रहलाद सिंह मेवाड़ा, मिठ्ठूलाल मेवाड़ा, हीरालाल, उमराव सिंह, हरनाम सिंह, उधम सिंह ठाकुर, लक्ष्मण सिंह, राजमल, यादव सिंह मेवाड़ा, रामनारायण, रामचरण मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

2 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किए, 72 हजार का गांजा और मोटर साइकिल जब्त

भैरुंदा। जिले में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ विरोधी विशेष अभियान के तहत गोपालपुर थाना पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब 72 हजार रुपये बताई गई है।

यह कार्रवाई भैरूंदा अनुभाग के एसडीओपी रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर गोपालपुर थाना पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

22 हजार का गांजा और 50 हजार की बाइक जब्त : गिरफ्तार

आरोपियों की पहचान गोपालपुर निवासी शब्दर और देवास जिले के अतवास निवासी सद्दाम के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसकी बाजार कीमत करीब 22 हजार रुपये बताई गई है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी पुलिस ने जब्त कर ली। बाइक की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज : पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी सद्दाम से पूछताछ कर रही है, ताकि इस अवैध कारोबार के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके।

खबर संक्षेप

एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर खिलाड़ियों को मंच देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी स्व. कैलाश सारंग की स्मृति में जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार की शाम को जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग के दो मुकाबले खेले गए। इसमें जूनियर वर्ग के शानदार मैच में एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया। शुक्रवार की शाम को खेले गए रोमांचक मुकाबले में जूनियर वर्ग के मुकाबले में एमजी क्लब ने सीहोर मिनी बाइज को 2-1 से हराया। इस मुकाबले में एमजी क्लब की ओर से पियुष-राज ने 1-1 गोल किया। वहीं सीहोर मिनी बाइज की ओर से एक मात्र गोल कुशल ने किया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया सीनियर वर्ग में आरएसआई की 3-2 से टीम विजय रही। जिसमें आरएसआई की ओर से गर्वित, ध्रुव और मोनित ने 1-1 गोल किया। इसके अलावा सीहोर चिल्ड्रन की ओर से अर्थव-वंश ने 1-1 गोल किया।

शिविर लगाकर किया गया 952 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 03 जुलाई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 594 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 358 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

खनिज विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई, रेत माफियाओं के होंसले बुलंद, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से जारी है अवैध रेत परिवहन

खनिज विभाग की अनदेखी: प्रतिबंध के बाद भी नर्मदा में पनडुब्बियों से हो रहा अवैध रेत खनन

कांग्रेस नेता अरुण यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जिले की बुधनी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बावरी और जाजना की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और जिला प्रशासन के नियमों को ताक पर रखकर नर्मदा नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। मानसून सत्र के दौरान जहां एक तरफ कलेक्टर बालागुरू के. ने नदी के संरक्षण के लिए रेत उत्खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा रखा है, वहीं दूसरी तरफ रेत माफिया बेखौफ होकर अवैध खनन को अंजाम दे रहा है। इसे लेकर अब राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर इस अवैध खेल का पर्दाफाश करते हुए सरकार और प्रशासन पर सीधे निशाने साधे हैं।

कांग्रेस नेता अरुण यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जिले की बुधनी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बावरी और जाजना की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों में सफ देखा जा सकता है कि प्रतिबंध के बावजूद नर्मदा नदी के बीचों-बीच पनडुब्बियों के माध्यम से अवैध उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। यादव ने ट्वीट करते हुए सरकार और प्रशासन की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा के ग्राम बावरी-जाजना में

मानसून के दौरान जब नियमों के अनुसार नर्मदा नदी में खनन पूर्णतः प्रतिबंधित रहता है, तब भी पनडुब्बियों के माध्यम से कथित अवैध उत्खनन जारी है। क्या खनन माफिया को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है, यदि नहीं तो प्रशासन अब तक मौन क्यों है। नर्मदा की लूट बंद कीजिए, अवैध खनन पर तत्काल कार्रवाई कीजिये।

कागजों में सिमटा कलेक्टर का आदेश

हैरानी की बात यह है कि कुछ ही समय पहले कलेक्टर बालागुरु के. द्वारा जिले की सभी स्वीकृत रेत खदानों पर मानसून अवधि को देखते हुए प्रतिबंध का आदेश जारी किया गया था। इस आदेश के तहत 26 जून की मध्य रात्रि से एक अक्टूबर तक रेत के उत्खनन पर पूरी तरह रोक लगाई गई है।

कलेक्टर के आदेश में स्पष्ट उल्लेख था कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण भारत सरकार के सतत रेत खनन प्रबंधन दिशा-निर्देश 2016 और वर्ष 2020 के प्रावधानों के तहत पर्यावरण और जलीय जीवों की रक्षा के लिए यह रोक अनिवार्य है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भी 15 जून से 1 अक्टूबर तक मानसून काल निर्धारित किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि माफिया के हौसलों के आगे प्रशासनिक आदेश महज कागजी साबित हो रहे हैं।

प्रशासन मौन क्यों

नियमों के मुताबिक बारिश के दिनों में नदी के जलीय जीवों को बचाने के लिए उत्खनन पूरी तरह बंद होना चाहिए। केवल पहले से स्टॉक की गई रेत के परिवहन की ही सीमित अनुमति होती है। लेकिन बुदनी के घाटों पर दिन-रात चल रही पनडुब्बियां नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री के इस खुलासे के बाद अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और खनिज विभाग इन माफियाओं पर क्या कार्रवाई करता है।

इन प्रमुख घाटों पर माफिया की नजर

बता दें जिले में नर्मदा नदी का एक बड़ा तटीय हिस्सा आता है, जहां प्रशासन की सख्ती न होने के कारण माफिया सक्रिय हैं। भैरूंदा क्षेत्र का छिपानेर घाट जिले का सबसे बड़ा उत्खनन केंद्र है।

इसके अलावा चौरसखेड़ी, छिंदगांव कांछी, बडग़ांव, बावरी, नीलकंठ और अम्बा जादीद ऐसे घाट हैं, जहां अक्सर गहरे पानी से रेत निकालने के लिए प्रतिबंधित पनडुब्बियों और भारी जेसीबी मशीनों का उपयोग किया जाता है। इसी बुदनी के जानवासा जहां 14 हेक्टेयर की खदान है। जाजना, जहाजपुर सहित रेहटी के निनोर 20 हेक्टेयर की खदान, चारुआ, नहलाई और मढग़ांव में मानसून के दौरान भी अवैध रूप से रेत का स्टॉक करने और परिवहन करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

पराली नहीं, समृद्धि का साधन है, इसे जलाने के बजाय आय का माध्यम बनाएं : डॉ. राजकुमार मालवीय

इछावर। तहसील की ग्राम पंचायत लाऊखेड़ी में अभ्युदय रिसर्च एंड सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् , विज्ञान भवन, भोपाल के प्रायोजन में तीन दिवसीय कार्यशाला ₹पराली से समृद्धि : स्वच्छ पर्यावरण और खुशहाल जीवन का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में किसानों, महिलाओं, युवाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और पराली से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीकों की जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार मालवीय ने कहा कि पराली जलाना पर्यावरण के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति के लिए भी नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि पराली का वैज्ञानिक प्रबंधन कर उसे रोजगार और स्वरोजगार का माध्यम बनाया जा सकता है, जिससे किसानों की आय बढ़ाने के

साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ एवं मैनिट स्कॉलर डॉ. जीतेश जैन ने हैप्पी सीडर, बेलर, श्रेडर जैसी आधुनिक मशीनों के उपयोग, मिट्टी की उर्वरता संरक्षण तथा पराली से कम्पोस्ट, बायोचार, ब्रिकेट, पैकेजिंग सामग्री एवं डिस्पोजेबल उत्पाद बनाने की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पराली कृषि आधारित उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल बन सकती है। अभ्युदय रिसर्च एंड सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन की अध्यक्षा शिखा खेड़ले ने पराली से निर्मित विभिन्न उत्पादों और संबंधित मशीनों का प्रदर्शन किया। तकनीकी सहायक देवेंद्र कनोजिया एवं सचेत ने प्रतिभागियों को मशीनों के संचालन, उत्पाद निर्माण प्रक्रिया और स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया।

शिखा खेड़ले ने कहा कि यदि गांव स्तर पर पराली प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण इकाइयाँ स्थापित की जाएँ तो ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत लाऊखेड़ी के सरपंच धर्मेंद्र मालवीय, समाजसेवी शिवनारायण तोमर, पूर्व जनपद सदस्य सोभाल सिंह तथा राकेश जलवाया सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। प्रतिभागी देवकरण प्रजापति ने कहा कि अब वे पराली नहीं जलाएंगे और अन्य किसानों को भी इसके वैज्ञानिक उपयोग के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यशाला के आगामी सत्रों में प्रतिभागियों को पराली आधारित उत्पाद निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक काटी तो रावण ने किया सीता का हरण

सीहोर। प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में श्री रामायण रामलीला मंडल के तत्वाधान में प्रयाग राज के कलाकारों के द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है। मंदिर परिसर में जारी रामलीला मंचन में भगवान श्रीराम के वनवास के उपरांत वन में विचरण करते हुए शूर्पणखा ने भगवान को देखकर मोहित हो गई। उसके उपरांत रावण ने माता सीता का हरण किया, इसका मंचन किया गया। सीता हरण दृश्य का मंचन हुआ। पंचवटी में जब शूर्पणखा राम, लक्ष्मण व सीता को परेशान करती है। किसी भी प्रकार से नहीं मानती तो गुस्से में आकर लक्ष्मण शूर्पणखा की नाक और कान काट देता है। शूर्पणखा पहले अपने भाइयों खर व दूषण के पास जाती है। वे राम और लक्ष्मण के साथ लड़ने के लिए आते हैं। इसके बाद शूर्पणखा अपने भाई रावण के पास जाती है और सारी बात बताती है। जब रावण को सीता के बारे में पता चलता है तो वह उसे धोखे से हरण करने की योजना बनाता है। इसमें उसका मामा मारीच साथ देता है जो हिरण का रूप धारण करके सीता की कुटिया के पास जाता है। सीता खूबसूरत हिरण को देख कर अपने पति श्रीराम को हिरण पकड़ कर लाने की जिद्द करती है। सीता हरण का दृश्य दिखाया गया। शूर्पणखा राम पर मोहित होकर उनसे विवाह करने को कहती है। समझाने के बावजूद न मानने पर शूर्पणखा की नाक काट दिए जाते हैं। शूर्पणखा अपने अपमान की बात भाई रावण से बताती है। रावण क्रोध में आकर सीता का हरण कर लेता है। मंचन के दौरान कलाकारों के साथ संत माधवदास महाराज, महंत बृजेश शर्मा, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, मनोज दीक्षित मामा, सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट और आयुष गुप्ता आदि ने आरती की।

100 दिन सीवन अभियान के पूर्ण होने के अवसर पर महिला घाट पर चढ़ी चुनरी, हुआ हनुमान चालीसा का पाठ, जले दीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नेमीशरण, उतरप्रदेश से आए गोमती पुत्र राजकुमार गुप्ता ने कहा राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की दिशा तय करेगा ये सीवन अभियान पुनस सिवान पुत्र टीम ने दोहराया संकल्प कि जब तक यह दूषित पानी शिव पर चढ़ने लायक नहीं हो जाता,नदी का उद्धार नहीं हो जाता अभियान निरंतर जारी रहेगा ।

दिन गुरुवार को जीवन अभियान के शोध दिवस पूरे हुए इस उपलब्धि के अवसर पर महिला घाट छावनी पर एक धार्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत सबसे पहले घाट पर दीप जलाए मां सीवन की पूजा अर्चना करने के बाद चुनरी चढ़ाई गई,बाद में घाट पर ही हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। इसी अवसर पर सीवन पुत्र टीम ने फिर से अपना संकल्प दोहराया कि सीवन का दूषित जल जब तक पूर्ण रूप से शिव भगवान पर चढ़ाने लायक नहीं हो जाता ,सीवन का पूर्ण उद्धार एवं मूल स्वरूप में नहीं आ जाती तबतक सीवन पुत्र टीम संघर्ष करती रहेगी अपना अभियान चलाती रहेगी। सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने यह भी बताया है कि सीवन अभियान राष्ट्रीय अभियान बन चुका है पूरे देश की प्रमुख नदियों के नाम से पुत्र एवं पुत्री बन रहे है जो नदियों को जीवन देने के काम करेंगे। इसी अवसर पर नेमीशरण उतरप्रदेश से विशेष रूप से राजकुमार गुप्ता आए जो कि गोमती पुत्र है उन्होंने सीवन अभियान की क्रांति लाने वाला अभियान बताया। इस पर समाजसेवी प्रदीप साबू, सुरेश भगत, अशोक नामदेव, राधेश्याम मकवाना, संतोष मेवाड़ा, लक्ष्मण चौकसे, कैलाश चव्हाण, मुकेश राय, प्रकाश यादव, कनीराम मालवीय, वैभव राठौर, उदित जादवानी, राजकुमार सोनी आदि उपस्थित हुए।

16 को निकलेगी भगवान जगन्नाथ स्वामी की भव्य रथ यात्रा, मंदिर परिसर का हो रहा समतलीकरण

सीहोर। इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन 16 जुलाई गुरुवार को किया जाएगा। यह ऐतिहासिक एवं धार्मिक रथ यात्रा शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर, छावनी से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई संजय टाकीज के पास स्थित स्वर्णकार समाज मंदिर पहुंचेगी। लगातार 66 सालों से परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वाधान में निकाली जाने वाली भव्य यात्रा को लेकर समाजजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आमंत्रण पत्र का वितरण कर अंतिम चरण में है। मंदिर समिति के द्वारा घर-घर जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया जा रहा है। वहीं मंदिर परिसर में तैयारियां को लेकर शनिवार को जेसीबी से समतलीकरण किया गया। चल समारोह अध्यक्ष भवंर लाल परमार (कुलांस कलां) के साथ कंधे से कंधा मिलकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। आगामी दिनों में होने वाली पुरी की तर्ज पर रथ यात्रा से पूर्व मंदिर में 14-15 जुलाई को विशेष अभिषेक के साथ अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में

समाज के प्रांतीय अध्यक्ष सुरज सिंह जी एवं चंदर सिंह मंडलोई आदि सहित युवा और बुजुर्गों का आशीर्वाद मिल रहा है। समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल, पूर्व चल समारोह अध्यक्ष सुरेश गब्बर परमार, विष्णु परमार, जेपी परमार, शिव परमार ने बताया कि परमार समाज और क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं के द्वारा निरंतर पूरी की तर्ज पर यात्रा निकाली जाती है। आयोजन समिति ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। रथ यात्रा के दौरान पूरा शहर जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान रहेगा और भक्तिभाव का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ तुलसीराम पटेल, कमल पटेल, मुकेश परमार, विष्णु परमार, शिव परमार, भगीरथ परमार, अनारसिंह परमार, देवनारायण परमार, दशरथ सिंह परमार, भगवान सिंह परमार, मनोहर परमार, लखन परमार, महेंद्र परमार, विक्रम परमार आदि ने घर-घर पहुंचकर रथ यात्रा का निमंत्रण दिया। शहर में लंबे समय से जगदीश मंदिर टाट बाबा परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में निकाली जाने वाली रथ यात्रा आस्था और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इस मौके पर शहर के छावनी स्थित मंदिर पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी और 16 जुलाई को शहर में भव्य यात्रा निकाली जाएगी।

शिव भक्तों ने किया एक लोटा जल से विशेष अभिषेक

भगवान शिव को बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भक्ति और निर्मल हृदय अत्यंत प्रिय: पंडित प्रदीप मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर इन दिनों आगामी सावन मास की कांवड यात्रा को लेकर तैयारियां जारी है। वहीं प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव का विशेष अभिषेक कर रहे है। शनिवार को 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित मुरली मनोहर मंदिर में भगवान शिव-पार्वती, भगवान राम-माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण और राधा के विशेष श्रृंगार के दर्शन किए। सुबह अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने यहां पर आए श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा और पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य के द्वारा भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा

है। शनिवार को अपने प्रवचन के दौरान पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि भगवान शिव विश्वास का प्रतीक हैं। जो भक्त सच्चे मन, अटूट श्रद्धा और पूर्ण विश्वास के साथ भगवान भोलेनाथ का स्मरण करता है, उसके जीवन में आने वाले बड़े से बड़े संकट भी महादेव की कृपा से दूर हो जाते हैं। भगवान शिव को बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भक्ति और निर्मल हृदय प्रिय है। उन्होंने कहा कि जब भक्त का विश्वास अडिग होता है, तब भगवान शिव स्वयं उसके जीवन का मार्गदर्शन करते हैं और हर कठिन परिस्थिति में उसका साथ निभाते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि जीवन में सुख-दुख, लाभ-हानि और कठिनाइयां आती रहती हैं, लेकिन जो व्यक्ति महादेव पर विश्वास बनाए रखता है, वह कभी निराश नहीं होता। विश्वास ही भक्ति की सबसे बड़ी शक्ति है और भगवान शिव उस विश्वास का सबसे बड़ा आधार हैं।

स्व. नाथूराम जेलर साहब की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में किया गया 50 यूनिट रक्तदान

सीहोर। कांग्रेस मंडल अध्यक्ष गंज, प्रवेश परिहार के नेतृत्व में स्व. नाथूराम जेलर साहब (दादाजी) की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित किया। जिसमें विशेष रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती, ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम यादव ,पार्षद विवेक राठौर उपस्थित रहे।

स्वर्गीय नाथूराम जेलर साहब (दादाजी) की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रवेश परिहार जी के नेतृत्व में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवियों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लगभग 50 यूनिट रक्तदान किया। प्रवेश परिहार ने कहा कि रक्तदान महादान है और यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन की रक्षा करने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित

सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय नाथूराम जेलर साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में सभी स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रक्तदान करने वाले युवाओं में प्रमुख रूप से मोनू मंगोलिया , लखन जाटव, अंकित मंगरोलिया ,नमन कचनेरिया , ललित कचनारिया, राजा मंगरौलीया, विक्की जाटव, राहुल जाटव ,रोहित जाटव, यादव ऋतिक पुरवइया, मोनू परिहार, हरि सिंह परिहार, दीपक बडोदिया , श्रीमती नीलम परिहार, मुस्कान कचनेरिया ,नमन कचनेरिया, सोनू जाटव ,ललित कचनेरिया ,विनोद धौलपुर, अनिकेत उज्जैन, सोनू भंडारी, अनिल परमार, सोनू वर्मा, रवि जाटव, आकाश यादव, नीरज जवालिया, पवन उज्जैनिया, जितेन्द्र मंगरोलिया, अनिकेत मंगरोलिया आदि सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

संयुक्त संचालक ने हायर सेकंडरी विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया

विद्यालय में चार घंटे तक चला निरीक्षण संयुक्त संचालक बोलीं: कमियां बहुत सारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

लोक शिक्षण संचालनालय की संयुक्त संचालक कनक प्रसाद ने शुक्रवार को शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय कुरावर का करीब चार घंटे तक आकस्मिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जिला कलेक्टर द्वारा वर्ष 2025 में विद्यालय की प्राचार्य के विरुद्ध भेजे गए निलंबन प्रस्ताव के संबंध में जांच के तहत किया गया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक ने विद्यालय परिसर, भवनों की स्थिति, साफ-सफाई, रखरखाव, खेल मैदान, अभिलेखों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं सामने आने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया।

प्राचार्य को लगाई जमकर फटकार, कहा व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं

संयुक्त संचालक ने विद्यालय परिसर में एकीकृत माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालय भवनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान भवनों का रखरखाव नहीं कराया गया। कई भवनों में पुताई नहीं हुई थी, खिड़कियों की जालियां टूटी हुई थीं तथा दीवारों और कमरों में जाले लगे हुए थे। इस पर उन्होंने प्राचार्य अल्बीना टोप्पो को फटकार लगाते हुए कहा कि विद्यालय की व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की कैशबुक, अभिलेख, दैनिक प्रशासनिक कार्य, साफ-सफाई तथा पूर्व में प्राप्त शिकायतों से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की। सहायक ग्रेड-2 एवं लेखापाल के संबंध में पूर्व में हुई शिकायतों के दस्तावेज भी देखे गए।

पूर्व से विवादों में रहा विद्यालय

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में भी संयुक्त संचालक ने विद्यालय का निरीक्षण किया था, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आई थीं। इसके बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने 2 अक्टूबर 2025 को प्राचार्य अल्बीना टोप्पो के विरुद्ध निलंबन की अनुशंसा करते हुए प्रस्ताव आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय को भेजा था। इस प्रस्ताव पर अब तक अंतिम कार्रवाई नहीं हो सकी है। वहीं, विद्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 विपिन श्रीवास्तव पूर्व में विभिन्न शिकायतों के चलते निलंबित हो चुके हैं। हालांकि, न्यायालय से प्राप्त स्थगन आदेश के आधार पर वे वर्तमान में अपने पद पर कार्यरत हैं।

संयुक्त संचालक ने क्या कहा...

निरीक्षण के बाद संयुक्त संचालक ने कहा कि विद्यालय में कई गंभीर कमियां पाई गई हैं। परिसर की साफ-सफाई और व्यवस्थाएं अपेक्षित स्तर की नहीं हैं। उन्होंने कहा कि समय पर साइकिल वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं में भी कमियां मिली हैं। उनके अनुसार, जांच पूरी कर ली गई है और विस्तृत प्रतिवेदन विभाग के उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा। नरसिंहगढ़ में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से जुड़े कथित खरीदी प्रकरण के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे केवल कुरावर विद्यालय की जांच के लिए आई थीं और उस मामले की उन्हें जानकारी नहीं है।

निरीक्षण में प्रमुख कमियां

- विद्यालय भवनों की पुताई नहीं होना।
- छात्राओं की सुरक्षा के लिए लगी खिड़कियों की जालियां टूटी होना।
- खेल मैदान एवं परिसर में साफ-सफाई का अभाव।
- विद्यालय भवन एवं परिसर का रखरखाव संतोषजनक नहीं होना।
- प्रशासनिक एवं अभिलेखीय कार्यों में विभिन्न कमियां।

इन बिंदुओं की हुई जांच

- विद्यालय की कैशबुक।
- विद्यालय की साफ-सफाई एवं रखरखाव।
- परिसर में फैली गंदगी।
- सहायक ग्रेड-2 के विरुद्ध पूर्व में प्राप्त शिकायतें।

सुरक्षित वन विभाग को सौंपा

कुत्तों के हमले से घायल काला हिरण, वार्डवासियों ने बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

क्षेत्र में मानवता और वन्यजीव संरक्षण की मिसाल उस समय देखने को मिली, जब ग्रामीणों ने कुत्तों के हमले से घायल एक दुर्लभ काला हिरण (ब्लैकबक) की जान बचाकर उसे सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार, पुलिस थाने के पीछे निवासी स्थानीय वार्डवासियों को एक नर काला हिरण घायल और बदहवास अवस्था में मिला, जिस पर आवारा कुत्ते हमला कर रहे थे। ग्रामीणों ने तत्काल साहस दिखाते हुए कुत्तों को वहां से भगाया और घायल वन्यजीव को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद डायल-112 पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वन विभाग, नरसिंहगढ़ को घटना की जानकारी दी।

डायल -112 की टीम घायल काला हिरण को अपने संरक्षण में लेकर उपचार के लिए उसे वन विभाग नरसिंहगढ रवाना किया। प्राथमिक उपचार के बाद उसके स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, काला हिरण भारत के सबसे तेज दौड़ने वाले वन्यजीवों में से एक है और यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची के अंतर्गत संरक्षित प्रजाति है। इसका शिकार करना या नुकसान पहुंचाना कानूनन दंडनीय अपराध है।

ग्रामीणों की सतर्कता, संवेदनशीलता और समय पर की गई कार्रवाई से एक दुर्लभ वन्यजीव की जान बच सकी। स्थानीय लोगों ने भी अपील की है कि यदि कहीं कोई घायल या असहाय वन्यजीव दिखाई दे तो उसे पकड़ने या परेशान करने के बजाय तत्काल पुलिस अथवा वन विभाग को सूचना दें।

कृषि उपज मंडी में सर्वर डाउन होने से किसानों का फूटा गुस्सा, लगाया जाम

सुबह 7 बजे से लाइन में लगे किसान, समझाइश के बाद माने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

नगर के कृषि उपज मंडी में शुक्रवार को एक बार फिर सर्वर डाउन होने से किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। सुबह से अपनी उपज लेकर पहुंचे किसानों ने लंबे इंतजार के बाद मंडी परिसर के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया। इससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। किसानों ने बताया कि वे सुबह करीब 7 बजे से अपनी उपज की तौल एवं नीलामी के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन सर्वर बंद होने के कारण पूरा कामकाज ठप पड़ा है। सर्वर डाउन होने से मंडी में किसानों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लग गई तथा भीड़ लगातार बढ़ती गई। किसानों का कहना था कि बार-बार सर्वर डाउन होने से उनका समय और आर्थिक नुकसान हो रहा है।

किसानों ने सड़क पर लगाया जाम हरकत में आया प्रशासन

किसानों द्वारा नगर के मुख्य मार्ग पर जाम लगाए जाने और हंगामे की सूचना मिलते ही कुरावर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह मवई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा कर उन्हें शांत कराया तथा संबंधित अधिकारियों से समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने जाम समाप्त कर दिया और यातायात पुनः सुचारु हो गया। किसानों ने मांग की कि उपज मंडी में बार-बार आने वाली सर्वर संबंधी समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में उन्हें इस प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

तकनीकी कारणों से सर्वर डाउन

सर्वर तकनीकी कारणों से डाउन हो गया था, जो करीब दोपहर 12 बजे तक चालू होने की संभावना थी, लेकिन सर्वर बंद होने के कारण ही मंडी का कार्य प्रभावित हुआ है, जिससे किसानों में नाराजगी उत्पन्न हुई और हंगामे की स्थिति बनी।

- रामप्रसाद राज, सचिव कृषि उपज मंडी कुरावर

परिवार को हुई काफी परेशानी

नाली के पानी की निकासी नहीं होने से दीवार गिर गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

नगर के वार्ड 14 में गुरुवार दोपहर लगातार बारिश, नाली के पानी की निकासी नहीं होने और मकान के पीछे बने घूरे के कारण पीड़ित हैदर अली पिता रमजान अली के घर की पीछे की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय दीवार के पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि या चोट नहीं आई। दीवार गिरने से घर का सामान बिखर गया, जिससे परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से बारिश का पानी, नाली का गंदा पानी और घूड़े में पानी जमा से होने वाली नमी के कारण दीवार की नींव कमजोर हो गई थी। लगातार पानी भराव के चलते आखिरकार दीवार ढह गई। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वार्डवासियों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को उचित सहायता प्रदान करने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा घूरे को हटाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

चंदन चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार, 12.9 किलो चंदन, बाइक और कुल्हाड़ी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

पुलिस ने चंदन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12 किलो 900 ग्राम चंदन की लकड़ी, चोरी में प्रयुक्त बिना नंबर की सीटी-100 मोटरसाइकिल तथा एक लोहे की कुल्हाड़ी सहित कुल 50,700 रुपये मूल्य का मशरूका जब्त किया गया है।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तोलानी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एसडीओपी सारंगपुर अरविंद सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सारंगपुर उप निरीक्षक राहुल रघुवंशी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

जानकारी अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर चोरी का चंदन लेकर किठोर रोड की ओर से सारंगपुर बेचने आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने किठोर रोड अंडरब्रिज के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संदिग्ध भागने लगे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम रईस मेव (50), मामूर खां (55) और गोकुल अहिरवार (60), सभी निवासी काछीखेड़ी, बताए। इनके पास से 12 किलो 900 ग्राम चंदन की लकड़ी और चंदन काटने में प्रयुक्त लोहे की कुल्हाड़ी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ग्राम आसारेटा के जंगल से चंदन चोरी किया था तथा उसे सारंगपुर निवासी मोहसिन पिता गफ्फार खां (26) को बेचने जा रहे थे। पुलिस ने मोहसिन को भी गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में थाना सारंगपुर में अपराध क्रमांक 515/2026 के तहत धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 26 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। आरोपियों से चोरी का चंदन, घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की सीटी-100 मोटरसाइकिल तथा लोहे की कुल्हाड़ी जब्त की गई है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक दीपक परमार, सहायक उप निरीक्षक आनंदीलाल भिलाला, आरक्षक बनवारी गुर्जर, लोकेश परमार, सत्येंद्र रघुवंशी, सुनील हिनोतिया एवं धर्मेंद्र जायसवाल की भूमिका रही।

करंट से भैंस की मौत, पुलिस ने कराया पीएम, सुरक्षा की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनवास

समीपस्थ ग्राम सुंदरपुरा में ट्रांसफार्मर में उतर रहे करंट की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक नारायणसिंह पिता गुलाबसिंह की भैंस मोरसरा नाले के पास चरने के लिए गई थी, जहां पर लगे ट्रांसफार्मर की चपेट आने से करंट से मौत हो गई। सरपंच और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। जहा पंचनामा बनाते समय अरुण, अंकित, पवन, कैलाश, महेश आदि मौजूद रहे। इसके सूचना थाना मलावर को देने पर मृत मवैसी का पंजीकरण कर पीएम के लिए पशु चिकित्सक मलावर को पत्र भेजकर पीएम कराया। ग्रामीणों का आरोप है कि डीपी के आसपास न जाली है न बाउंड्री। लाइनमैन से कई बार शिकायत के बाद भी बिजली विभाग ने ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने मुआवजा और डीपी की सुरक्षा की मांग की है।

इनका कहना है...

हम मुआवजा दिलाने में विभाग की तरफ से पूरा सहयोग करेंगे और ट्रांसफार्मर में जाली फेंसिंग भी करवाएंगे, ताकि दोबारा ऐसी घटना ना घटे।

-निर्मल चौधरी, एई एमपीईबी ग्रामीण नरसिंहगढ़

वर्षा ऋतु से पहले नपा की कार्रवाई थाना परिसर के 3 जर्जर भवन ढहाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जनहानि की आशंका को रोकने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद सारंगपुर ने शहर में जर्जर भवनों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को थाना परिसर में स्थित तीन अत्यंत जीर्ण-शीर्ण भवनों को जेसीबी मशीन की सहायता से सुरक्षित तरीके से ध्वस्त कर मलबा भी हटा दिया गया। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) दीपक रानवे की मौजूदगी में इस कार्रवाई के दौरान बताया गया कि थाना परिसर के ये भवन काफी समय से जर्जर अवस्था में थे। वर्षा के दौरान इनके कभी भी गिरने की आशंका थी, जिससे जनहानि और दुर्घटना का खतरा बना हुआ था। इसी खतरे को देखते हुए इन्हें हटाया गया।

सीएमओ दीपक रानवे ने बताया कि नगर पालिका द्वारा शहर के जीर्ण-शीर्ण भवनों का सर्वे कराया गया है तथा संबंधित भवन स्वामियों को मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धारा 221 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु में नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे सभी खतरनाक भवनों को हटाने, मरम्मत कराने अथवा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन जर्जर भवनों के आसपास लोगों और वाहनों का लगातार आवागमन रहता है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान निकाय उपयंत्री विक्की ब्राह्मणे, कर्मचारी गौरव शर्मा एवं गोकुल पुष्पद सहित नगर पालिका का अमला उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना के आवेदन 31 अगस्त तक

ब्यावरा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु एनआईसी मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए योजना का संचालन ऑनलाइन किया जाएगा। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं स्वयं स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकेंगे। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों से 31 अगस्त 2026 तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रता के आधार पर स्वीकृति अथवा अस्वीकृति की कार्रवाई संबंधित अधिकारियों द्वारा 15 सितंबर 2026 तक नियमानुसार सुनिश्चित की जाएगी। योजना का उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन प्रदान कर उनकी शैक्षणिक प्रगति को बढ़ावा देना है। सामाजिक न्याय एवं 'दिव्यांग छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा में स्पर्श पोर्टल पर आवेदन करने अपील की है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना से मंजुबाई और कमलसिंह बने आत्मनिर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा

जिले के ग्राम हबीपुरा निवासी मंजुबाई एवं उनके पति कमलसिंह ने जिला अंत्यावसायी विभाग की संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर अपना स्वरोजगार शुरू किया। वर्ष 2025-26 में ऑनलाइन आवेदन के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा राजगढ़ से उन्हें 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। ऋण मिलने पर उन्होंने राजगढ़ में यूनियन बैंक के पास एमपी ऑनलाइन सेंटर एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की कियोस्क शुरू की। वर्तमान में दुकान से अच्छी आय हो रही है। दुकान का किराया और बैंक ऋण की मासिक किस्त जमा करने के बाद भी उन्हें लगभग 13 हजार रुपये प्रतिमाह की बचत हो रही है। मंजुबाई कमलसिंह का कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और आज वे अपना जीवन-यापन अच्छे से कर रहे हैं। वे इस अवसर के लिए मध्यप्रदेश शासन एवं जिला अंत्यावसायी विभाग का आभार व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना अंतर्गत जागरुकता शिविर आयोजित

पंजीयन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा

श्रम विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्रम कार्यालय, महिला एवं बाल विकास परियोजना राजगढ़, परियोजना खिलचीपुर तथा परियोजना जीरापुर में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) पेंशन योजना के अंतर्गत जागरूकता एवं पंजीयन शिविर आयोजित किए गए।

शिविर में जिला श्रम अधिकारी सौरव गुप्ता एवं श्रम निरीक्षक मनोज चौहान ने उपस्थित श्रमिकों को योजना की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों से योजना का लाभ लेने की अपील की। इस दौरान पात्र हितग्राहियों का मौके पर ही पंजीयन भी किया गया।

साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए संचालित एक अंशदायी पेंशन योजना है। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु के ऐसे असंगठित श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये तक है तथा जो ईपीएफओ, ईएसआईसी, एनपीएस अथवा आयकरदाता नहीं हैं, पंजीयन के लिए पात्र हैं। लाभार्थी द्वारा आयु के अनुसार निर्धारित मासिक अंशदान जमा करने पर केंद्र सरकार भी समान राशि का अंशदान करती है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। श्रम विभाग ने पात्र श्रमिकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, बैंक खाता, मोबाइल नंबर के साथ निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अथवा श्रम विभाग से 9827459864 पर संपर्क कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

हेयर सैलून के नए शुल्क निर्धारित सत्यनारायण बने संघ अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खुजनेर

नगर में सर्व सेन समाज नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के सभी हेयर सैलून संचालकों ने भाग लेकर समाज एवं व्यवसाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की बैठक में सर्वसम्मति से सत्यनारायण सेन (पालड़ियाखेड़ी) को सैलून संघ का अध्यक्ष तथा विनोद सेन खुजनेर को उपाध्यक्ष चुना गया। पदाधिकारियों के चयन के बाद उपस्थित सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक में सभी हेयर सैलून संचालकों ने आपसी सहमति से सेवाओं के नए शुल्क निर्धारित किए। निर्णय के अनुसार अब हेयर कटिंग का शुल्क 40 रुपये तथा दाढ़ी बनाने का शुल्क 30 रुपये रहेगा। सभी संचालकों ने इन निर्धारित दरों का पालन करने पर सहमति व्यक्त की बैठक में समाजहित, संगठन की मजबूती एवं व्यवसाय से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया साथ ही समाज की एकजुटता बनाए रखने और सामूहिक रूप से समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष टीकाराम सेन, ग्रामीण अध्यक्ष देवकरण सेन सहित नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में समाजजन एवं हेयर सैलून संचालक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

आज किया जाएगा विदाई समारोह का आयोजन

सीहोर। पंचायत सचिव संगठन जनपद पंचायत सीहोर के तत्वाधान में सचिव मोहन सिंह चंद्रवंशी के सेवा निवृत्त होने पर संगठन के तत्वाधान में विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंचायत सचिव संगठन जनपद पंचायत सीहोर के ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम मेवाड़ा ने बताया कि शहर के मंडी स्थित जनपद पंचायत कार्यालय में सुबह ग्याहर बजे विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर संगठन के द्वारा सालों से सचिव के रूप में सेवा दे रहे मोहन सिंह चंद्रवंशी को विदाई दी जाएगी। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों को विदाई समारोह में शामिल होने की अपील की।

नागरिकों से सुरक्षित मार्ग अपनाने की अपील

सीहोर। लगातार हो रही वर्षा के कारण सीहोर जिले के ढाकनी–मुगली मार्ग पर पापनास नदी स्थित पुल पर पानी का बहाव बना हुआ है। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा दोनों ओर कोटवार एवं पुलिस दल की तैनाती की गई है, ताकि आवागमन पर सतत निगरानी रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में जलभराव वाले पुल, पुलिया अथवा तेज बहाव वाले स्थानों को पार करने का प्रयास न करें। थोड़ी-सी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। नागरिक केवल सुरक्षित एवं वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें तथा प्रशासन द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का पालन करें। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें।

बरखेड़ी फीडर की विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

सीहोर। सीहोर जिले के 33 केवी बरखेड़ी फीडर की विद्युत आपूर्ति 05 जुलाई को प्रातः 8:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक बंद रहेगी। यह शटडाउन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से इंदौर-भोपाल बायपास तक विद्युत लाइन शिफ्टिंग कार्य हेतु आवश्यक परमिट के कारण लिया जा रहा है। परिस्थिति अनुसार समय परिवर्तन हो सकता है।

बारिश के चलते जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने किया जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था के साथ जलस्तर बढ़ने की स्थिति में आपदा प्रबंधन की तैयारियां देखी

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी ने नगर की जीवनदायिनी मां पार्वती नदी के तट पहुंचकर वहां के जलस्तर और उफान का जायजा भी लिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है। इसी सिलसिले में आज नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा एवं अनुविभागीय अधिकारी महेन्द्रप्रतापसिंह किरार ने संयुक्त रूप से नगर के विभिन्न संवेदनशील और जलभराव वाले क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अमले को मुस्तैद रहने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के कड़े निर्देश दिए। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी ने नगर की जीवनदायिनी मां पार्वती नदी के तट पहुंचकर वहां के जलस्तर और उफान का जायजा भी लिया। उन्होंने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था देखी और जलस्तर बढ़ने की स्थिति में त्वरित आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की।

नागरिकों से अपील सुरक्षा और सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव

निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नगरवासियों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा आष्टा अंचल में लगातार तेज बारिश हो रही है, जिससे नदी और नाले उफान पर हैं। आप सभी नगरवासियों से करबद्ध अपील है कि इस मौसम में अपने और अपने परिवार की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक रूप से उफनते नदी-नालों या रपटों को पार करने का जोखिम न उठाएं। जिन नागरिकों के मकान कच्चे हैं या जिन्हें मरम्मत की आवश्यकता है, वे समय रहते उन्हें दुरुस्त करवा लें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। नगर पालिका प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने और आपकी मदद के लिए चौबीसों घंटे तैयार है।

प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर

अनुविभागीय अधिकारी महेन्द्रप्रतापसिंह किरार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों को आश्वस्त किया और कहा कि प्रशासन लगातार मौसम और जलस्तर पर नजर बनाए हुए है। निचले और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जलभराव की स्थिति में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके लिए भोजन-पानी की व्यवस्था करने के निर्देश राजस्व और नगर पालिका की टीम को दे दिए गए हैं। सभी नागरिक धैर्य रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी की जा रही गाइडलाइंस का पालन करें। किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत स्थानीय कंट्रोल रूम या प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार रामलाल पगारे, यातायात पुलिस निरीक्षक जितेन्द्र सोनी, रमेश यादव, फूलसिंह मालवीय, गबू प्रजापति सहित अन्य कर्मचारीगण मौजूद थे।

शासकीय हैंडपंप पर अवैध कब्जा करने वाले के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने कब्जा हटवाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

तहसील आष्टा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाडलिया में एक शासकीय हैंडपंप पर अवैध रूप से कब्जा करने का गंभीर मामला सामने आया है। गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए स्थापित शासकीय हैंडपंप में बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के मोटर डाल दी गई है, जिससे वह इसका पूर्णतः निजी उपयोग कर रहा है। इस कृत्य के कारण पूरे गांव के आम नागरिकों को पीने के पानी के लिए भारी किल्लत और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परेशान ग्रामीणों ने आज एकजुट होकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आष्टा को एक लिखित आवेदन सौंपकर त्वरित और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आवेदन में मुख्य रूप से ग्रामीण मांगीलाल, हरनाथ, जयराम, अरुण, मानुबाई और ढालाबाई सहित दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के राजेंद्र पिता भागीरथ मालवीय द्वारा सार्वजनिक संपत्ति का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है। सरकारी हैंडपंप को निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल करने से ग्रामीणों के अधिकारों का हनन हो रहा है। ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में स्पष्ट किया है कि यह स्थिति पिछले लगभग दो वर्षों से बनी हुई है, जिससे गांव में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि उक्त प्रकरण की शीघ्र जांच कराकर हैंडपंप से अवैध मोटर को तत्काल प्रभाव से हटवाया जाए और उसे पुनः सार्वजनिक उपयोग के लिए बहाल किया जाए। इसके साथ ही, सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग करने के आरोप में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए। इस शिकायत की प्रतिलिपियां कलेक्टर सीहोर, मुख्य कार्यपालन अधिकारीऔर थाना प्रभारी आष्टा को भी कार्रवाई हेतु भेजी गई हैं।

राजपूत समाज के कार्यकर्ताओं ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

सेंधव क्षत्रिय राजपूत समाज का प्रतिनिधि मंडल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने नेमावर धर्मशाला के साथ जावर धर्मशाला में निर्माण के लिए राशि प्रदान करने का पत्र सौंपा। जिसपर मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबंधित को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही राशि स्वीकृत की जाएगी प्रतिनिधि मंडल में विक्रम सिंह कप्तान,जीवन सिंह अध्यापक ,चंद्रपाल सिंह दरबार ,जय सिंह ठाकुर जिला मंत्री, रविन्द्र सिंह दरबार अध्यक्ष नेमावर धर्मशाला, राजपाल सिंह ठाकुर एडवोकेट आदि लोग उपस्थित थे।

सहकारिता की भूमिका पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला सहकारी संघ मर्यादित सीहोर द्वारा प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित निपानियाकलॉ के सहयोग से ग्राम निपानियाकलॉ में कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रहलाद सिंह वर्मा एवं हरिप्रसाद वर्मा, प्रेमनारायण वर्मा, अनोखीलाल वर्मा, बोन्दरसिंह वर्मा, महेश चन्द्र चन्द्रवंशी पूर्व प्रबंधक एवं सुरेश गौर प्रबंधक बहुउद्देशीय संस्था, रामनारायण चौधरी सचिव दुग्ध संस्था, देवेन्द्र चौधरी जनपद सदस्य प्रतिनिधि, के विशेष आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । तेजसिंह ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला से करते हुए कहाकि मध्यप्रदेश शासन द्वारा सहकारिता आन्दोलन के व्यापक प्रचार—प्रसार, युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, नई सहकारी संस्थाओं का गठन करने तथा सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को आगे बढ़ाने हेतु 29 जून से 5 जुलाई तक जन—जागरण सहकारी सप्ताह का आयोजन मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया जा रहा है । अतः आप संस्था कार्यक्षेत्र के असदस्य कृषकों एवं पशुपालकों को संस्था की सदस्यता प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करें एवं नवीन संस्थाओं के गठन हेतु संकल्पित हों जिससे ग्राम में स्वरोजगार एवं नवाचार के अन्तर्गत संस्था का गठन कर सदस्यों के साथ—साथ ग्राम का भी विकास किया जा सके । इस अवसर पर संतोष कुमार, धनसिंह, राधेश्याम, रामचन्दर, देवनारायण, अर्जुन सिंह, महेश कुमार, हरिप्रसाद, नन्दकिशोर, हरिबगस पटेल, प्रहलाद सिंह, करण सिंह, लखनलाल, रमेशचन्द्र, राजेश कुमार, रामसिंह, सुरेश कुमार, महेश कुमार, गिरीराज सेन, आदि ग्रामीण जन उपस्थित थे।

तहसीलदार हुए भारमुक्त, ओमप्रकाश चोरमा ने जनसेवा के साथ कर्मठता की छोड़ी अमिट छाप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

गत माह तहसील जावर से जिला इंदौर स्थानांतरित हुए तहसीलदार ओमप्रकाश चोरमा को शुक्रवार दोपहर बाद कलेक्टर सीहोर द्वारा विधिवत भारमुक्त कर दिया गया। लगभग 14 माह के कार्यकाल में श्री चोरमा ने अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसरोकारों के प्रति समर्पण से प्रशासन की एक सकारात्मक पहचान स्थापित की। किसानों, जनप्रतिनिधियों, शासकीय कर्मचारियों तथा आम नागरिकों के बीच वे एक सहज, सरल, मृदुभाषी एवं कर्मठ अधिकारी के रूप में लोकप्रिय रहे। श्री चोरमा की कार्यशैली की विशेषता यह रही कि वे नियमित कार्यालयीन समय के अतिरिक्त प्रतिदिन दो से तीन घंटे अधिक कार्य करते थे। शनिवार, रविवार एवं अन्य अवकाश के दिनों में भी वे लंबित प्रकरणों के निराकरण और जनसुनवाई में सक्रिय रहते थे। स्थानीय बोली में संवाद करने की उनकी क्षमता उन्हें लोगों की समस्याओं के मूल तक पहुँचने और त्वरित समाधान करने में सहायक सिद्ध हुई। अपने कार्यकाल में उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद, अवैध कब्जा तथा अतिक्रमण सहित अनेक राजस्व प्रकरणों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निराकरण किया। इसके साथ ही डोडी स्थित घी फैक्ट्री पर की गई कार्रवाई, डीजल के अवैध भंडारण तथा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कदम उठाकर प्रशासनिक दृढ़ता का परिचय दिया। कृषि उपज मंडी जावर के भारसाधक अधिकारी के रूप में उन्होंने मंडी का सुचारु एवं पारदर्शी संचालन सुनिश्चित किया। भावांतर भुगतान योजना के सफल क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। समर्थन मूल्य पर उपार्जन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्राकृतिक आपदा से सोयाबीन फसल को हुई क्षति के बाद किसानों को लगभग 12 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता का त्वरित वितरण भी उनके प्रभावी नेतृत्व में संपन्न हुआ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को शुद्धता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए उन्होंने लगातार क्षेत्रीय भ्रमण किए। वे केवल कार्यालय तक सीमित नहीं रहे, बल्कि नियमित रूप से ग्रामों का दौरा कर स्थानीय समस्याओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाते रहे। सीमित संसाधनों के बावजूद समयबद्ध, पारदर्शी और जनहितैषी कार्यशैली के कारण उन्होंने प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास सुदृढ़ किया। उनके स्थानांतरण और भारमुक्त होने से जावर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, किसानों, शासकीय कर्मचारियों एवं आम नागरिकों में निराशा का भाव देखा गया। जनप्रतिनिधियों, किसानों, शासकीय कर्मचारियों एवं पत्रकारों सहित क्षेत्रवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं नवीन पदस्थापना पर सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

आवारा कुत्तों के झुंड ने मासूम पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

शहर में आवारा कुत्तों का खतरा कम होता नहीं दिख रहा है। यहां चार-पांच आवारा कुत्तों के एक झुंड ने शुक्रवार की रात साईं कॉलोनी में 10 साल की एक मासूम बच्ची पर अचानक जानलेवा हमला कर दिया। वो तो गनीमत रही कि फरिस्ता बनकर घटना स्थल के पास से निकल रहे सर्राफा व्यापारी जय सोनी ने बच्ची की चीख पुकार सुनकर अपनी बाइक रोकी और कुत्तों को भगाकर बच्ची की जान बचाई। आपको बता दें कि आष्टा शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है शुक्रवार की बीती रात को शहर की सबसे पॉश साईं कॉलोनी में चार-पांच आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक दस साल की बच्ची वंशिका शिवम चौरसिया पर जानलेवा हमला कर दिया । इस हमले से इलाके में हड़कंप मच गया। बच्ची की चीखें सुनकर वाह से गुजर रहे सर्राफा व्यापारी जय सोनी और आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, कुत्तों को भगाया और बच्ची की जान बचाई। अगर लोगों ने समय रहते दखल न दिया होता, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। यह पूरी घटना पास के CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। इस फुटेज के सामने आने से लोगों में घबराहट और सोशल मीडिया पर गुस्सा फैल गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है और पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, फिर भी इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। सीसीटीवी वीडियो में कैद दृश्य इतना डरावना था जिसमें दिख रहा है कुत्तों ने मासूम बच्ची को घेर लिया, उसे जमीन पर गिरा दिया और बुरी तरह नोचने-काटने लगे। अचानक हुए इस हमले से डरकर बच्ची जोर-जोर से चिल्लाने और रोने लगी। उसकी चीखें सुनकर वह से गुजर रहे जय सोनी और पड़ोसियों ने बिना एक पल भी बर्बाद किए तुरंत वहां पहुंचे तेजी से काम करते हुए, उन्होंने पत्थर और डंडों का इस्तेमाल करके कुत्तों को भगाया और लड़की को उनकी पकड़ से सुरक्षित बचा लिया। बीती रात की घटना से सबक लेते हुए स्थानीय एसडीएम और नगर पालिका सीएमओ एक्शन में आए और शनिवार सुबह से ही आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया ओर करीब एक दर्जन कुत्तों को पकड़कर शहर से बाहर छोड़ा। इस मामले पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राय सिंह मेवाड़ा ने बताया कि हमने पहले भी आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाए हैं लेकिन पशु प्रेमियों ने आपत्ति दर्ज कराई तो अभियान को रोकना पड़ा। लेकिन बीती रात की घटना बेहद गंभीर है इससे गंभीरता से लेते हुए हमने नगर कई वार्डो में आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान शुरु कर दिया है और हमारी कोशिश है कि शहर के नागरिकों को किसी भी तरह की असुरक्षा का भाव पैदा न हो।वही सीएमओ विनोद प्रजापति ने बताया कि हम इस पर गंभीर हैं नागरिकों की सुरक्षा हमारा पहला दायित्व है आवारा कुत्तों और आवारा सांडों को शहर बाहर भेजने के लिए निर्देश दे दिए हैं और जल्द ही आवारा कुत्तों को शहर से बाहर छोड़ दिया जाएगा।

प्रचार-प्रसार और जनजागरण के उद्देश्य से चलाया जा रहा घर-घर यज्ञ अभियान

वेदमंत्र उच्चारण और ओम ध्वजा फहराकर की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

आर्य समाज महाराणा प्रताप कॉलोनी गंज सीहोर एवं जिला आर्यवीर दल व मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्वावधान में जिले में 251 परिवारों में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख उद्देश्य यह है कि वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरण के उद्देश्य से घर घर यज्ञ-घर-घर यज्ञ अभियान का जिला स्तरीय भव्य उद्घाटन समारोह शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को सायं 5 बजे आर्य समाज परिसर में वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक यज्ञ, वेदमंत्रों के उच्चारण एवं ओम्- ध्वजा फहराकर विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में यज्ञ की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्ता का प्रचार-प्रसार करना तथा प्रत्येक परिवार को यज्ञ से जोडऩा रहा। वक्ताओं ने अपने उद्बोधनों में बताया कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, मानसिक शुद्धि, स्वास्थ्य संवर्धन एवं सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। यज्ञ के माध्यम से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है तथा परिवार एवं समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों एवं युवाओं को वैदिक संस्कारों से जोडऩा अत्यंत आवश्यक है। बालक-बालिकाएँ वैदिक मंत्रों का श्रवण करें, उनके अर्थ को समझें तथा अपने जीवन में सत्य, अनुशासन, सदाचार, निर्भीकता, निडरता एवं श्रेष्ठ चरित्र जैसे गुणों को आत्मसात करें। वैदिक संस्कृति ही समाज को सशक्त, संस्कारित एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम में आर्य वीर दल के बौद्धिक अध्यक्ष संतोष सिंह आर्य, माता पुष्प लता राठौड़, मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से प्रचारक पंडित हरिओम सरल, पंडित दिलीप आर्य, प्रधान आचार्य विजय राठौर, उपप्रधान विजय कुलश्रेष्ठ, हेमंत कुशवाह, उपमंत्री विनीत शर्मा, आर्य वीर दल के महामंत्री अंकित राठौर, संरक्षक वीरभान सिंह भारती, घनश्याम प्रजापति, व्यायाम शिक्षक हेमराज प्रजापति, बॉक्सिंग कोच हर्ष राठौर कार्यालय मंत्री, रेखा कुशवाह, कोजेंट स्कूल संचालक सीमा भदौरिया, आर्य समाज सुभाष नगर के मंत्री श्याम विश्वकर्मा, सूरज भारती, यज्ञ व्यवस्था प्रमुख आर्य सुमन, आर्य सुदर्शन राठौर, अमित राठौर, मनीष राठौर सहित बड़ी संख्या में आर्य समाज के पदाधिकारी, आर्य वीर दल के सदस्य, आर्य वीरांगनाएँ एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि हर घर यज्ञ -घर-घर यज्ञ अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों तक वैदिक यज्ञ की परंपरा पहुँचाई जाएगी तथा समाज में वैदिक संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों का व्यापक प्रसार किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ एवं सभी के मंगलमय जीवन की कामना के साथ हुआ।

लोकेंद्र बने रहेंगे पार्षद, हाईकोर्ट ने लगाई जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने पर रोक

सीहोर। हाईकोर्ट ने पार्षद लोकेंद्र वर्मा के जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। स्थगन आदेश से यह साबित हो गया है कि अब अनुसूचित जाति वर्ग के लोंकेंद्र वर्मा वार्ड नंबर 11 के पार्षद बने रहेंगे। कांग्रेस नेता नरेंद्र खंगराले द्वारा लोकेंद्र वर्मा को जाति के आधार पर पार्षद पद से हटाने के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की गई थी और वर्मा के अनुसूचित जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त करने की मांग की गई थी। गठित समिति ने वर्मा के जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त करने के लिए आदेश पारित किया था, जिस पर पार्षद लोकेंद्र वर्मा ने जबलपुर स्थित मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में स्थगन याचिका दायर की थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने वर्मा के अधिवक्ता धीरज कुमार तिवारी द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर पार्षद लोकेंद्र वर्मा के जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। नगर पालिका चुनाव के दौरान वार्ड 11 में लुनिया मोहल्ला निवासी लोकेंद्र वर्मा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। चुनाव में वर्मा के सामने भाजपा से नीरज जाटव, कांग्रेस से नरेंद्र खंगराले, बसपा से धनराज फरेला और 4 निर्दलीय सहित कुल 7 प्रत्याशी थे। पार्षद वर्मा ने नागरिकों की उम्मीद से भी अधिक बीते चार साल के दौरान वार्ड में विकास कार्य करा दिए हैं। इसी बीच चुनावी हार से दुखी कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र खंगराले ने लोकेंद्र वर्मा की जाति को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। खंगराले का कहना था कि वर्मा अनुसूचित जाति में नहीं पिछड़ा वर्ग में आते हैं। खास बात यह है कि वार्ड की जनता में वर्मा के जाति प्रमाण-पत्र को लेकर कोई नाराजगी नहीं थी।